

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान : भारत के खिलाफ युद्ध में सऊदी अरब करेगा पाकिस्तान की रक्षा

Sanket Morankar

Published on 20 Sep 2025



पाकिस्तान के रक्षा मंत्री **ख्वाजा आसिफ** ने हाल ही में एक अहम बयान दिया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और रक्षा क्षेत्र में हलचल मचा दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत के खिलाफ युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो **सऊदी अरब पाकिस्तान की रक्षा करेगा**। ख्वाजा आसिफ ने यह स्पष्ट किया कि भारत और सऊदी अरब के बीच हुआ रक्षा समझौता **रक्षात्मक है** और इसका उद्देश्य किसी भी देश के खिलाफ आक्रामक रणनीति नहीं है।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध हैं, और यह साझेदारी क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। ख्वाजा आसिफ ने यह भी जोर देकर कहा कि पाकिस्तान हमेशा अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देगा और अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर रणनीतिक कदम उठाएगा।

भारत और सऊदी अरब के बीच रक्षा समझौते को लेकर पिछले कुछ हफ्तों में कई रिपोर्टें सामने आई थीं। इस समझौते के तहत दोनों देशों के बीच सैन्य प्रशिक्षण, हथियारों की खरीद-फरोख्त, और सुरक्षा तकनीकी सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। हालांकि, ख्वाजा आसिफ के बयान ने इस डील के मायने को पाकिस्तान की नजर में पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने इसे रक्षात्मक कदम बताया और कहा कि यह किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ख्वाजा आसिफ का यह बयान पाकिस्तान की रणनीतिक स्थिति और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को लेकर गहन चिंताओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के समर्थन की पुष्टि करने से पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह संदेश देना चाहता है कि उसके पास मजबूत साझेदार हैं और वह किसी भी आक्रामक स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच यह रणनीतिक सहयोग लंबे समय से चल रहा है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और रक्षा क्षेत्र में मजबूत संबंध हैं। ख्वाजा आसिफ ने यह संकेत दिया कि यदि भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव बढ़ता है, तो पाकिस्तान अपने गठबंधन और अंतरराष्ट्रीय समर्थन का पूरा लाभ उठाएगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह बयान क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। भारत-सऊदी अरब रक्षा समझौते की वजह से

पाकिस्तान और भारत के बीच सैन्य संतुलन पर असर पड़ सकता है। पाकिस्तान ने पहले ही अपने क्षेत्रीय सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। ख्वाजा आसिफ के बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि पाकिस्तान सऊदी अरब की रणनीतिक साझेदारी को अपने सुरक्षा ढांचे में शामिल करेगा।

ख्वाजा आसिफ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान किसी भी प्रकार की आक्रामकता के लिए तैयार रहेगा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से अपनी रक्षा क्षमता को बढ़ाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान का रुख हमेशा **रक्षा और शांति की दिशा में रहेगा**, लेकिन यदि स्थिति नियंत्रण से बाहर हुई तो पाकिस्तान मजबूरी में सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

भारत और सऊदी अरब के रक्षा समझौते के तहत प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं:

1. **सैन्य प्रशिक्षण और युद्धाभ्यास** : दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग और प्रशिक्षण।
2. **सुरक्षा और खुफिया साझेदारी** : आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और सीमा सुरक्षा में साझा जानकारी।
3. **हथियार और तकनीकी सहयोग** : हथियारों और सुरक्षा उपकरणों का साझा विकास।
4. **रणनीतिक साझेदारी** : अंतरराष्ट्रीय मंच पर संयुक्त सैन्य और रक्षा रणनीतियों का निर्माण।

ख्वाजा आसिफ का बयान इस तथ्य को दर्शाता है कि पाकिस्तान इस समझौते को केवल **सैन्य गठबंधन** के रूप में नहीं देखता, बल्कि उसे अपनी रणनीतिक स्थिति के लिए चुनौती मानता है। इसके अलावा, उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के दृष्टिकोण से यह समझौता किसी भी आक्रामक नीयत के संकेत नहीं देता और यह रक्षात्मक कदम है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बयान पाकिस्तान के कूटनीतिक संदेश का हिस्सा है। इसका उद्देश्य न केवल अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने सहयोगियों को भरोसा दिलाना है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन को लेकर भारत और अन्य देशों को भी स्पष्ट संदेश देना है।

कुल मिलाकर, ख्वाजा आसिफ के बयान ने पाकिस्तान-सऊदी अरब रणनीतिक सहयोग और भारत-सऊदी अरब रक्षा समझौते के बीच के अंतर को उजागर किया है। यह क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। आने वाले समय में इस बयान के प्रभाव और इसके चलते होने वाले कूटनीतिक कदमों पर पूरी दुनिया की निगाहें रहेंगी।